(ङ) भारतीय प्रसारण सेवा के कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री के० पी० सिंह देव): (क) और (ख) भारतीय प्रसारण के निष्पादन का आकलन निम्नलिखित से किया जा सकता है:—

(1) आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा अर्जित वाणिज्यिक राजस्व में वर्ष 1992-93 में 58.91/360.23 करोड़ रुपये से वर्ष 1994-95 तक 64.37/398.02 करोड़ रुपये की नियमित वृद्धि; और

(2) विदेशी उपग्रह चैनलों की कार्यक्रम सूची में दिखायी गयी भारतीय कार्यक्रमों की बढ़ती मात्रा।

(ग) नमूना सर्वेक्षण आवधिक रूप से किए जाते हैं।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) आकाशवाणी अपने श्रोताओं के व्यापक जन समूह को विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से अपने कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए सतत आधार पर प्रयास करता है।

दूरदर्शन धारावाहिकों के प्रसारण समय में परिवर्तन के कारण राजस्व में कमी

991. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दूरदर्शन की वाणिज्यिक सेवाओं और दूरदर्शन पर दिखाए गए पांच अत्यधिक लोकप्रिय धारावाहिकों के माध्यम से जितना राजस्व अर्जित किए जाने का अनुमान था और उक्त अवधि के दौरान वास्तव में कितना राजस्व अर्जित किया गया है;

(ख) क्या कुछ धारावाहिकों के प्रसारण समय में किये गये परिवर्तनों के कारण राजस्व में कमी आयी है;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार अपने पूर्व समय सारणी के अनुसार इन धारावाहिकों को दिखाने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव): (क) दूरदर्शन राजस्व का को कार्यक्रमवार वार्षिक अनुमान तैयार नहीं करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुमानित/वास्तविक सकल राजस से सम्बन्धित ब्यौरा निम्न प्रकार से है:-

वर्ष	अनुमानित (करोड़ों में)	वास्तविक (करोड़ों में
1992-93	360 रुपए	360.23 रुपए
1993-94	380 रुपए	372.98 रुपए
1994-95	380 रुपए	398.02 रुपए

(ख) और (ग) 2 जून, 1995 से प्रभावी पुनः संरचित कार्यक्रम प्रारूप के वित्तीय प्रभाव का फिलहाल पूर्वानुमान लगाना समय-पूर्व होगा।

(घ) और (ङ) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है क्योंकि नए स्लॉटों में इन धारावाहिकों के दर्शकों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा मारे गये छापे

992. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभागों द्वारा कार्यालय-वार कितने छापे मारे गये हैं और कार्यालय-वार कितने मूल्य के कर अपवंचन के मामलों का पता लगाया गया है; और

(ख) सरकार ने 30 जून, 1995 तक उन पर क्या कार्यवाही की है?

वित्त मंत्री (श्री मनमोहन सिंह): (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

Equity Portfolio of IFCI

903. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what steps are proposed to examine the equity portfolio of, Industrial Finance Corporation of India;

(b) whether it is a fact that there are no proper guidelines; and

(c) how does Government propose to revamp IFCI?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MANMOHAN SINGH): (a) and (b) All India Financial Institutions (AIFIs) such as Industrial Finance Corporation of India Ltd. (IFCI) invest in equity of industrial units as a part of their normal project financing operations. The magnitude of investment in equity of industrial units depends upon the means of finance of the project and the commercial assessment of the AIFI concerned. AIFIs periodically disinvest their equity holdings in industrial concerns with a view to recycling of funds depending upon the market conditions and other related factors. The Government had in May, 1990 issued guidelines relating to transactions in shaps by AIFIs in order to make such transactions more open and transparat.

(c) No such proposal is under consideration of Government at present.

Space of Advertisements Given to Newspapers/Magazines

994. SHRI MOHAMMED AFZAL *alieas* MEEM AFZAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the total space of advertisements given to various Newspapers/Magazines in terms of centimeters by DAVP during the period 1994-95; and

(b) what are the details of advertisements given in each language during the year 1994-95 alongwith space?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) and (b) Advertisements measuring 89, 12, 138 col. cms. space were released to various newspapers/ magazines by DAVP during the period 1994-95. Language-wise details are given below:-

S. No.	Language	Space of advertisements released (col. cms.)
1.	English	2536471
2.	Hindi	3637677
3.	Urdu	639977
4.	Punjabi	218874
5.	Marathi	307867
6.	Gujarati	249763
7.	Sindhi	31960
8.	Assamese	82549
9.	Bengali	244621
10.	Oriya	142981
11.	Tamil	291464
12.	Telugu	178180
13.	Malayalam	186987
14.	Kannada	137147
15.	Sanskrit	2312
16.	Nepali	6379
17.	Mizo	7998
18.	Khasi	2206
19.	Konkani	1211
20.	Manipuri	5514
	Total:	8912138

Deterioration in the Functioning and Administration of ITDC

995. SHRI DIGVIJAY SINGH: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what is the total turnover of India Tourism Development Corporation (ITDC) during the year 1993-94, 1994-95 and at present;

(b) whether it is a fact that functioning and administration of the Corporation is deteriorating day by day;

(c) if so, the reasons therefor and whether any steps have been taken/being taken by Government to improve the functioning and administration of the Corporation in order to serve its customers better; and